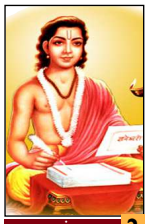

पृष्ठ संख्या 2

डाक पंजीयन संख्या- RJ/JPM/160/2024-26

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

CBC CODE-134222

सम्पादकः राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्षः 04 | अंकः 24 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, रविवार 22 मार्च, 2026 | मूल्यः 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में मनाया गया राजस्थान दिवस

जयपुर (संस्कार सृजन)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में गुरुवार को राजस्थान दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय सांस्कृतिक संध्या का अल्बर्ट हॉल पर भव्य आयोजन किया गया। इसमें राजस्थान के प्रसिद्ध लोक कलाकारों के लोक गायन, नृत्यों और अन्य मनमोहक प्रस्तुतियों ने आमजन को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्यमंत्री की पहल पर चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को मनाए गये राजस्थान दिवस में पद्मश्री अनवर खां मांगणियार एवं दल और पद्मश्री तगाराम भील एवं दल द्वारा सुरीली प्रस्तुतियां दी गई। वहीं, 100 से अधिक लोक कलाकारों एवं कथक नृत्यांगनाओं ने विभिन्न आकर्षक प्रस्तुतियों से आयोजन स्थल पर मौजूद जनसमूह को ऊर्जा से भर दिया। इस दौरान राज्य सरकार के 2 वर्ष से अधिक के जनसेवा को समर्पित कार्यकाल एवं उपलब्धियों पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। अल्बर्ट हॉल पर आयोजित की गई भव्य सांस्कृतिक संध्या में घूमर, गैर, चरी, कच्छी घोड़ी, कालबेलिया सहित विभिन्न लोक नृत्यों का शानदार प्रदर्शन किया गया। अल्बर्ट हॉल पर 2 घंटे से अधिक समय तक आयोजित हुई राज्य स्तरीय भव्य सांस्कृतिक संध्या का समापन रंग-बिरंगी आतिशबाजी से हुआ। इस दौरान पटाखों की रोशनी ने जहां एक ओर अल्बर्ट हॉल की भव्यता को बढ़ाया, वहीं पटाखों की आवाज ने भी शहरवासियों को उत्साह और जोश से भर दिया। इससे पहले कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने लोक कलाकार तगाराम भील एवं अनवर खां मांगणियार का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया और अन्य कलाकारों का भी हौंसला बढ़ाया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सांसद, विधायक, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, गणमान्यजन सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

नगर परिषद क्षेत्र चौमूँ में नलकूप निर्माण के लिए मिली 26.92 लाख की स्वीकृति

चौमूं (संस्कार सृजन)। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा नगर परिषद क्षेत्र चौमूँ के गिरिराज नगर चौमूं और देवनगरी भोजलावा में पेयजल समाधान हेतु नए नलकूप की स्वीकृति जारी की है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा द्वारा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग मंत्री कन्हैया लाल चौधरी को पत्र लिखकर पेयजल के समाधान हेतु नलकूप स्वीकृति की माँग की थी, जिस पर विभाग द्वारा शिव मंदिर गिरिराज नगर चौमूं के लिए 13.22 लाख रुपए और देवनगरी भोजलावा के लिए 13.70 लाख रुपए की वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और जलदाय विभाग मंत्री कन्हैया लाल चौधरी का आभार जताते हुए कहा कि गिरिराज नगर और देवनगरी भोजलावा के लिए पेयजल हेतु जलदाय विभाग द्वारा ट्यूबवेल स्वीकृति जारी की गई है, जल्द ही इन ट्यूबवेलों का लाभ स्थानीय वार्डवासियों को मिल सकेगा।

अभिनेता उग्रसेन तंवर पर फिल्माए पिंजरा द केज फिल्म के सीन

जयपुर (संस्कार सृजन)। राजस्थानी फिल्मों के जाने-माने अभिनेता उग्रसेन तंवर पिंजरा-द केज फिल्म में एक अहम भूमिका में नजर आएंगे । अभिनेता उग्रसेन तंवर ने बताया कि पिंजरा-द केज फिल्म की शूटिंग प्राइम शूट प्रोडक्शन के बैनर तले 11 मार्च से नीमकाथाना स्थित गढ़टकनेट गांव में शुरू हुई । अभिनेता उग्रसेन तंवर पर पिंजरा द केज फिल्म के सीन फिल्माए गए।उग्रसेन तंवर पर ऊंटगाडी चलाने के सीन शूट किए गए।फिल्म की कहानी वास्तविक और रहस्यमयी रोमांचक घटना पर आधारित है । फिल्म के डायरेक्टर अनिल भूप ने बताया कि फिल्म के मुख्य कलाकार शाहबाज खान, सुष्मिता राणा, हर्षित माथुर, आदित्य चौहान, मुनिराज मीणा और उग्रसेन तंवर हैं ।वहीं जानकारी के लिए आपको बता दें कि फिल्म अभिनेता और निर्देशक उग्रसेन तंवर की पहली निर्देशित फिल्म हमारी बेटियां भी जल्द ही सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जाएगी ।

अब राजस्थानी सिनेमा कहलाएगा ROLLYWOOD CINEMA

जयपुर (संस्कार सृजन)। राजस्थान की समृद्ध संस्कृति, लोक परंपराओं और रंग-बिरंगे जीवन को दर्शाने वाला राजस्थानी सिनेमा अब एक नई पहचान रोलीवुड सिनेमा के साथ उभर रहा है । अब तक इसे सिर्फ 'राजस्थानी फिल्म इंडस्ट्री' के नाम से जाना जाता था, लेकिन इस नए नाम ने इसे एक अलग और सशक्त पहचान दी है।

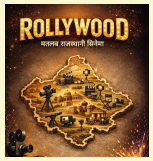

"ROLLYWOOD" नाम में 'रोली' यानी सिंदूर और रंग-बिरंगी संस्कृति का प्रतीक शामिल है, जबकि वुड शब्द इसे Hollywood और Bollywood जैसे बड़े फिल्म उद्योगों की श्रेणी में जोड़ता है। यह नाम लेखक, गीतकार और भारतीय थल सेना से सेवानिवृत्त फौजी असलम कायमखानी द्वारा दिया गया। इस नाम को राजस्थान के लगभग सभी जिलों के कलाकारों, निर्माताओं, निर्देशकों और तकनीशियनों का भरपूर समर्थन मिला है। फिल्म जगत से जुड़े लोगों ने इसे राजस्थानी सिनेमा के लिए एक सटीक और सम्मानजनक पहचान माना है। हाल के वर्षों में रोलीवुड सिनेमा के तहत ऑफलाइन, पॉइंट ज़ीरो, म्हारो श्याम, टाइगर ऑफ राजस्थान और म्हारो कांई कसूर जैसी फिल्में दर्शकों तक पहुंची हैं । वहीं हमारी बेटियाँ फिल्म रिलीज को तैयार है। पिंजरा और हथकड़ी जैसी फिल्मों की शूटिंग भी जारी है। इतिहास की बात करें तो रोलीवुड सिनेमा की पहली फिल्म नज़राना मानी जाती है। इस इंडस्ट्री को आगे बढ़ाने में जानी-मानी अभिनेत्री नीलू वाघेला का भी अहम योगदान रहा है, जिन्होंने मुंबई में लोकप्रिय टीवी धारावाहिक दीया और बाती हम में भी अपनी पहचान बनाई। आज रोलीवुड सिनेमा तेजी से आगे बढ़ रहा है और आने वाले समय में यह भारत ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अपनी एक मजबूत और विशिष्ट पहचान बनाने की दिशा में अग्रसर है।

आयुषी शर्मा ने सिविल जज बनकर ब्राह्मण समाज का बढ़ाया मान- डॉ. सुरेश चंद शर्मा

जयपुर (संस्कार सृजन)। चौमूं निवासी आयुषी शर्मा ने गुजरात हाईकोर्ट द्वारा घोषित सिविल जज परीक्षा परिणाम में 65वां स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि से उनके परिवार सहित पूरे ब्राह्मण समाज में खुशी का माहौल है। आयुषी शर्मा चौमूं निवासी अधिवक्ता मनु वत्सल भारद्वाज की पुत्री हैं।

उनकी सफलता का समाचार मिलते ही शहर के गणमान्य लोग उनके निवास पर पहुंचकर बधाई देने लगे, जिसका सिलसिला लगातार जारी है। सर्व समाज जाग्रति संघ के संस्थापक अध्यक्ष व बृजवासी गौरक्षक सेना भारत संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और शिव शक्ति संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ.सुरेश चंद शर्मा तथा जयपुर जिला अध्यक्ष आचार्य पंडित रामस्वरूप शर्मा द्वारा अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ आयुषी शर्मा के घर पहुंचे। इस अवसर पर आयुषी को माला पहनाकर और स्मृति-चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। वहीं आयुषी के माता-पिता को भी माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर खुशी व्यक्त की।डॉ. शर्मा ने कहा कि गुजरात में सिविल जज के रूप में चयनित होना अत्यंत गौरवपूर्ण उपलब्धि है। इससे न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे समाज का नाम रोशन हुआ है। उन्होंने आयुषी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर समाजसेवी नागपाल शर्मा माचाड़ी, कैलाश तिवाडी, कृपा शंकर शर्मा, यज्ञ दत्त सर्राफ, प्रदीप शर्मा, नाथूलाल शर्मा, रामावतार शर्मा एवं मोहित शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

एक शाम बाबा श्याम के नाम भजन संध्या में देर रात तक झूमें श्रोता, माँ वैष्णो देवी के साथ सजा बाबा श्याम का दरबार

जयपुर (संस्कार सृजन)। श्री मां वैष्णो देवी सेवा समिति के तत्वावधान में 41 गायक कलाकारों द्वारा मधुर भजनों की प्रस्तुति देकर दशम श्री श्याम महोत्सव 'एक शाम बाबा श्याम के नाम' संगीत संध्या का भव्य आयोजन किया गया, जो देर रात्रि तक चला । श्री मां वैष्णो देवी मंदिर के महंत कैलाश भगत ने बताया कि चौमूं शहर के वार्ड नंबर 43, विकास नगर, सामोद रोड, बाईपास पुलिया के पास स्थित श्री मां वैष्णो देवी मंदिर में बाबा श्याम का दसवां श्री श्याम महोत्सव एक शाम बाबा श्याम के नाम से मनाया गया । इस दौरान विदेशी फूलों से माँ वैष्णो देवी के साथ बाबा श्याम का भी भव्य दरबार सजाया गया ।फागोत्सव के दौरान 108 कलर की झांकी सजाई गयी। साथ ही बाबा के छप्पन भोग और 108 फलों की झांकी सजाई गयी ।इस वर्ष के साथ क्षेत्र की प्रसिद्ध हस्तियों का माला, साफा, माता की चुनरी और फोटो भेंट कर सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में नरसिंहपुरी महाराज, भगवानपुरी महाराज, कथा वाचक चंद्र प्रकाश शास्त्री और संत रामचरण दास का पावन सानिध्य मिला । निवाई-पीपलू विधायक रामसहाय वर्मा, पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, विधायक प्रत्याशी छुट्टन यादव, सैनी समाज अध्यक्ष हीरालाल सैनी, समाजसेवी डॉ. सुरेश चंद शर्मा, व्यापार मंडल अध्यक्ष पवन सैनी, डीवाईएसपी प्रदीप शर्मा, आल इंडिया सैनी सेवा समाज राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सूरजमल सैनी, जन सेवक कपिल कटारिया, युवा नेता अनुराग शर्मा, कन्हैयालाल सैनी एमवीएस, रवि डिफेंस एकेडमी, गौ सेवक प्रकाश शर्मा, सैनी हॉस्पिटल डायरेक्टर भगवान सहाय सैनी, गुरु प्रेरणा सत्संग मंडल, सुंदरकांड मंडल चौमूं की टीम ने शिरकत की ।

इन सिंगर्स ने दी प्रस्तुति- भजन संध्या में विनोद सैनी,बाबूलाल चौधरी, शिम्भु माली, अर्जुन भगत, बिरदीचंद गुर्जर, सुल्तान यादव, चिरंजीलाल, कान्हा दीवाना, श्रवण सैनी, रामनिवास यादव, ममता मीना, कोमल सैनी, सुरभि शर्मा, पूनम राजपूत, सुमन सैनी सहित करीब 41 सिंगर्स ने बाबा को देर रात तक रिझाया।

इस दौरान शिम्भु अमर होंडा, सुनील शर्मा, सुनील यादव, राजकुमार कांकरवाल, फौजी प्रजापत, रमेश सिंगोदिया, हरनाथ ,महेंद्र तोबड़ा, महेश सैनी, संदीप सैनी, बाबूलाल रोलावन, मदन सैनी, शंकर तंवर, पुष्पेंद्र सैनी, राकेश सैनी, कैलाश तंवर, बाबूलाल सिंगोदिया, मदन कटारिया, उमेश कटारिया, रघुवर इंदौरा, डीसी भगत, डॉक्टर पवन शर्मा, अंकित सैनी, कुणाल सैनी, गोपाल राजपूत, विष्णु प्रजापत, पीएम डूडी, आरके कुमावत, भागीरथ यादव, दीपक सैनी, राहुल सैनी, कालू सैनी, ताराचंद सैनी, रोशन सैनी, जीतू सैनी, हरि चौधरी, रिसपाल बराला, गोविंद सैनी, महेंद्र मीणा सहित कई लोगों ने दर्शन लाभ लिए ।

संपादकीय

खतरनाक मोड़ पर खाड़ी का तनाव

बीती 18 मार्च को ईरान के अस्सलुयेह स्थित पेट्रोकेमिकल केंद्र और साउथ पार्स के गैस फील्ड पर इजरायल ने हमला करके मध्य-पूर्व के युद्ध को एक नया मोड़ दे दिया है। इन हमलों से तेल और गैस प्रतिष्ठानों को निशाना न बनाए जाने की अलिखित सहमति टूट गई है, जबकि ये प्रतिष्ठान यहां की आर्थिक जीवन-रेखा हैं। यह बमबारी इजरायली हमले में ईरान के सुरक्षा प्रमुख अली लारीजानी की मौत के तुरंत बाद की गई। इजरायल के हवाई हमले में ईरान के खुफिया मंत्री इस्माइल खातिब भी मारे गए हैं। साउथ पार्स काफी संवेदनशील क्षेत्र है, क्योंकि इस गैस फील्ड में कतर की भी हिस्सेदारी है। इस हमले के बाद ईरान ने भी सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर के तेल व गैस प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ' पर लिखा है कि न ही अमेरिका, और न कतर को इस हमले की जानकारी थी। उन्होंने यह भी कहा है कि इजरायल साउथ पार्स पर दोबारा हमला नहीं करेगा। जाहिर है, लारीजानी की हत्या से युद्ध खत्म नहीं होने वाला। अलबत्ता, इसने पूरे क्षेत्र में संघर्ष को और भी बदतर बना दिया है। ईरान विकेंद्रीकृत सत्ता-व्यवस्था वाला देश है। वहां किसी एक नेता की हत्या से युद्ध की दिशा पर कोई असर नहीं पड़ता।गौरतलब है कि ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु मसले पर चल रही बातचीत के बीच 28 फरवरी को तेल अवीव और वाशिंगटन ने मिलकर तेहरान पर धावा बोला था। 26 फरवरी को जिनेवा में तीसरे दौर की वार्ता के खत्म होने के बाद, ओमान के विदेश मंत्री अल-बुसैदी ने सीबीएस को दिए साक्षात्कार में कहा था कि शांति समझौता महज चंद कदम दूर है। ईरान संवर्धित यूरेनियम भंडार न रखने पर सहमत हो गया था। वह संवर्धित यूरेनियम के मौजूदा भंडार को कम करके उसे ईंधन में बदलने पर भी राजी था।अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने भी इस बात की पुष्टि की थी कि ईरान की मिसाइल क्षमता सीमित है और वह अमेरिका को आंख नहीं दिखा सकता। पिछले साल के युद्ध के बाद कमजोर हुए ईरान से इजरायल के 'अस्तित्व पर कोई खतरा' न था और न ही अमेरिका पर किसी 'आसन्न संकट' की बात सही थी।अब तो अमेरिकी आतंकवाद-विरोधी केंद्र के प्रमुख जो केंट ने भी यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया है कि ईरान से अमेरिका को 'कोई आसन्न खतरा' नहीं था। उन्होंने आगे कहा है कि 'इजरायल और उसकी ताकतवर अमेरिकी लॉबी के दबाव में ट्रंप प्रशासन ने यह जंग शुरू' की है। अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गैबार्ड ने भी अमेरिकी कांग्रेस (संसद) को दिए लिखित बयान में कहा है कि पिछले साल ईरान के परमाणु संयंत्रों पर अमेरिकी हमले में 'ईरान का परमाणु संवर्धन कार्यक्रम पूरी तरह से खत्म हो गया है'। उन्होंने यह भी लिखा है कि 'तब से ईरान ने संवर्धन क्षमता फिर से बनाने का कोई प्रयास नहीं किया है'। ऐसे में, क्या इस युद्ध को शुरू करने का कोई औचित्य था, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था को इस कदर नुकसान पहुंचा रहा है?फिलहाल, ब्रेंट तेल के दाम, जो एक अंतरराष्ट्रीय मानक है, बढ़कर 112.83 डॉलर प्रति बैरल हो गए हैं। भारतीय कच्चे तेल बास्केट की कीमत भी 146.09 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है। एशियाई बाजारों में एलएनजी की कीमत हमला शुरू होने से पहले ही दोगुनी हो गई थी। केप्लर के आंकड़ों के आधार पर तैयार रॉयटर्स की रिपोर्ट कहती है कि युद्ध शुरू होने से पहले इस क्षेत्र से तेल और ईंधन का निर्यात प्रतिदिन 25.13 मिलियन बैरल था, जो घटकर रोजाना 9.71 मिलियन बैरल रह गया है, यानी पहले के स्तर में करीब दो तिहाई की कमी आ गई है। इतनी भारी कमी की भरपाई किसी अन्य स्रोत से नहीं की जा सकती, जिसका मतलब है कि तेल व ईंधन की कीमतों में और वृद्धि हो सकती है। कच्चे तेल की कीमत में एक डॉलर की वृद्धि होने से भारत के सालाना तेल आयात बिल में 14,000 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो जाती है। ऐसे में, होर्मुज जलमार्ग से निर्बाध परिवहन भारत के लिए बेहद अहम है। अब तक भारतीय झंडे लगे तीन जहाज यहां से गुजरे हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत को अभी तक 'पूरी मंजूरी' नहीं मिली है, जिसका मतलब है कि हर जहाज के लिए अलग से अनुमति लेनी पड़ेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन, नाटो देशों, जापान, दक्षिण कोरिया व ऑस्ट्रेलिया से नौसैनिक उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था, जो अमेरिकी फौज के साथ मिलकर फारस की खाड़ी को अंतरराष्ट्रीय नौवहन के लिए सुरक्षित बनाते। मगर किसी भी देश ने सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दिखाई। इसमें चीन का रुख तटस्थ है। उसे पहले से ही ईरान से कच्चा तेल मिल रहा है। वह तो यही देखना चाहेगा कि अमेरिका कमजोर पड़े। उधर, जर्मनी के रक्षा मंत्री ने कहा है कि यह 'हमारा युद्ध नहीं है'। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने भी इनकार कर दिया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने नाटो के प्रति अपनी निराशा जाहिर की है।

मनी प्लांट,होम रेनोवेशन और मेनडोर से जुड़े सबसे बड़े मिथक

वास्तु शास्त्र के नियम हमारी जिंदगी को आसान बनाने की कोशिश करते हैं। कई लोग वास्तु से जुड़ी चीजों को काफी गंभीरता से लेते हैं तो वहीं कुछ तो इस पर इतना ध्यान भी नहीं देते हैं। लोगों के बीच वास्तु को लेकर कई तरह के मिथक भी प्रचलित हैं जोकि सही नहीं हैं। खासकर कि घर के मेनडोर की दिशा से लेकर मनी प्लांट और वास्तु अनुसार रेनोवेशन के लिए घर को तोड़ने जैसी कई गलत मिथ और धारणाएं हैं जिस पर लोग आंख मूंदकर भरोसा कर लेते हैंबिना सही जानकारी के ही लोग बड़े फैसले ले लेते हैं। वास्तु का उद्देश्य अंधविश्वास को फैलाना नहीं बल्कि आसपास की एनर्जी को पॉजिटिव बना रखना है। वास्तु शास्त्र का उद्देश्य लोगों को बीच झूठ फैलाना नहीं है। ऐसे में सही जानकारी और नियमों का पता होना बेहद ही जरूरी है।

मेनडोर को लेकर मिथक

1. ऐसा माना जाता है कि घर का मेनडोर अगर उत्तर-पूर्व दिशा में हो तो ये शुभ माना जाता है। ये सोच या धारणा गलत है। इसमें पूरी तरह से बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है। दरअसल वास्तु शास्त्र के हिसाब से घर के लिए 30 तरह के मेनडोर हो सकते हैं, जिनका प्रभाव हमारी जिंदगी पर अलग-अलग पड़ता है।

2. अगर आपको लगता है कि मेनडोर की दिशा सही नहीं है या फिर मन में इससे जुड़ी कोई चीज खटक रही है तो उसके आसपास के एनर्जी को बैलेंस करने के कई और उपाय हैं। आसपास कुछ चीजों रखकर या हटाकर आप स्थिति अनुसार मेनडोर से होने वाले खराब और अच्छे प्रभाव को घटा और बढ़ा सकते हैं।

घर को तोड़ने से होता है वास्तु में सुधार

1. कई लोग घर के हर एक कोने को वास्तु के अनुसार ढालना चाहते हैं। कुछ हद तक चीजें सही हैं लेकिन घर की दीवारों को तोड़ना सही नहीं है। आम तौर पर आपने देखा होगा कि कई लोग वास्तु के नाम पर पूरे घर का रेनोवेशन करवा देते हैं। इस दौरान घर को तोड़-फोड़ दिया जाता है। लोगों का ये सोचना सही नहीं है।

2. अगर घर के किसी कोने में कोई भी वास्तु दोष है तो छोटे-मोटे बदलाव करके उसे सही किया जा सकता है। जैसे कि आप कमरे में रखें हुए फर्नीचर या फिर किसी भी सामान की सही प्लेसमेंट करके वहां की एनर्जी को बदल सकते हैं।

मनी प्लांट लाएगा पैसा

वास्तु शास्त्र को लेकर एक मिथक मनी प्लांट से भी जुड़ा हुआ है। लोग यही बोलते हैं कि इस पौधे को घर में लगाते ही पैसों की बरसात होती है। इस पौधे से जुड़े कुछ और भी मिथक है। ऐसा भी माना जाता है कि इस पौधे को कभी खरीदकर नहीं बल्कि कहीं ले लाकर ही लगाना चाहिए। अगर खरीदकर इस पौधे को लगाया जाए तो ये घर में दरिद्रता ला सकता है जोकि गलत है।

अमूल्य ज्ञान का बोध

❋ सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

❋ अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

❋ नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

❋ 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 1।.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

❋ 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

❋ नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

❋ चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

❋ सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

❋ 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

❋ सोलह श्रृंगार

1.बिंदी, 2. सिंदूर, 3. काजल, 4. मेहन्दी, 5. चूड़ियाँ, 6. मंगल सूत्र, 7. नथ, 8. गजरा, 9. मांग टीका, 10. झुमके, 11. बाजूबंद, 12. कमरबंद, 13. बिछिया, 14. पायल, 15. अंगूठी, 16. स्नान

पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने किया माली समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन

जयपुर (संस्कार सृजन)। शहर में माली समाज विकास समिति के तत्वावधान में आगामी 26 मार्च को रामनवमी के अबूझ सावे पर आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में

चौमूं के पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने सम्मेलन के पोस्टर का विधिवत विमोचन किया।इस मौके पर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन समाज में एकता और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का बड़ा माध्यम है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से विवाह जैसे मांगलिक कार्यों में होने वाले फिजूल खर्चों पर अंकुश लगता है और समाज के जरूरतमंद परिवारों को भी राहत मिलती है।रामलाल शर्मा ने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन समाज को एक सकारात्मक संदेश देता है और युवाओं को सादगी से विवाह करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने माली समाज विकास समिति के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन सामाजिक सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर माली समाज विकास समिति के अध्यक्ष हीरालाल सैनी ने बताया कि समिति की ओर से इस वर्ष 19वां सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन को लेकर समाज के लोगों में उत्साह का माहौल है और कार्यक्रम की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। उन्होंने बताया कि अब तक सामूहिक विवाह सम्मेलन के लिए 27 जोड़ों का पंजीकरण किया जा चुका है। सम्मेलन में सभी जोड़ों का वैदिक रीति-रिवाज और परंपराओं के अनुसार विवाह संपन्न कराया जाएगा। समिति पदाधिकारियों ने बताया कि सामूहिक विवाह सम्मेलन का उद्देश्य सामाजिक एकता को बढ़ावा देना और जरूरतमंद परिवारों को सहयोग प्रदान करना है। इस आयोजन से विवाह की परंपराओं को सरल बनाने के साथ-साथ अनावश्यक खर्चों पर भी रोक लगाने का प्रयास किया जा रहा है। इस मौके पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सूरजमल ठेकेदार, महामंत्री मदनलाल मालेरिया, पूर्व अध्यक्ष दिनेश तिगरिया, पूर्व अध्यक्ष राधेश्याम तंवर,पूर्व अध्यक्ष मदनलाल सतरावला, पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद सहाय अधोपिया,पूर्व अध्यक्ष मदनलाल जादम, सैनी विकास कर्मचारी संस्थान अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद सिंगोदिया, भवन निर्माण समिति अध्यक्ष जयनारायण चंदेल, व्यापार मंडल अध्यक्ष पवन सैनी, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष बाबूलाल सैनी, महात्मा ज्योतिबा फूले विकास संस्थान अध्यक्ष अनिल कुमार सैनी, पूर्व अध्यक्ष घीसालाल तंवर, पूर्व महामंत्री मदनलाल बागड़ी, उपाध्यक्ष गणेश बैनाडिया, डॉ मान प्रकाश सैनी, सरपंच प्रतिनिधि राजकुमार सैनी ईटावा, नंछूराम बिसनालिया, सुरेश तंवर, बीएल सैनी, ओम प्रकाश भगत, कैलाश चांदोलिया, प्रकाश राई, अर्पित सैनी, मोहन रोलावण सहित अन्य समाज बंधु मौजूद रहे।

श्रीराम कथा रस माधुरी में हुआ राम का जन्म

जयपुर (संस्कार सृजन)। नया बाजार स्थित अग्रवाल धर्मशाला में नव दिवसीय श्रीराम कथा रस माधुरी में आज कथा व्यास पं. महेश शर्मा हवेलीवाला ने तृतीय दिवस को राम जन्म, तड़का सुबाहु वध, जनकपुर प्रस्थान और धनुष यज्ञ के प्रसंगों का अपनी विशिष्ट सरस और ओजपूर्ण शैली में वर्णन किया। राम जन्म की सजीव झांकी प्रदर्शन से कथा स्थल का माहौल भक्ति एवं वात्सल्य से सराबोर हो गया। भगवान राम के जन्म की कथा को पृथ्वी के उद्धार के लिए होने वाली विशिष्ट घटना बताते हुए आपने कहा कि जब-जब पृथ्वी पर अत्याचार और अनाचार की बहुलता होती है तब स्वयं श्रीहरि अवतार लेकर असुरों एवं असुर संस्कृति का संहार कर अपने भक्तों को प्रताड़ना से मुक्त कर देव संस्कृति की श्रेष्ठता सिद्ध करते हैं। द्वापर युग में राम अवतार इसी का प्रमाण है। श्रीहरि के गुणगान के लिए ही हम राम कथा का इस कलयुग में विभिन्न प्रकार से श्रवण करते हैं। श्री हरि की इस अनंत कथा का विद्वानों ने अपने-अपने ढंग से वर्णन किया है। कथा में अनवरत सक्रिय सहयोग प्रदान करने वाले श्री अग्रवाल समाज के अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, सेवा भारती समिति की पिंकी जिंदल व महिला कार्यकर्ता गण एवं जनरल फैंसी फुटवियर एवं स्टेशनर्स व्यापार मंडल चौमूं के अध्यक्ष पवन सैनी का कार्यकारिणी सदस्यों सहित कथा आयोजक परिवार की ओर से स्वागत सत्कार एवं अभिनंदन किया गया। कथा में आज संत संत शक्ति के नाते संतोषी माता मन्दिर चौमूं से महामंडलेश्वर बालक दास महाराज का पदार्पण हुआ। महाराज ने उपस्थित भक्तों को आशीर्वाद प्रदान किया। नगर पालिका चौमूं के पूर्व पार्षद नंदकिशोर रावलिया और रामलाल गुलिया का सत्यनारायण सर्राफ की ओर से अभिनंदन किया गया।कथा में सैकड़ो श्रोता अगाध श्रद्धा एवं समर्पण भाव के साथ राम कथा रस माधुरी का रसास्वादन कर रहे हैं। कथा यजमान परिवार के सदस्य यज्ञदत्त सर्राफ ने बताया कि चतुर्थ दिवस को राम बारात आगमन, राम विवाह, कंवर कलेवा और बारात विदाई का प्रसंग विस्तृत रूप से प्रस्तुत किया जाएगा।

धर्म दर्शन

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

पाक्षिक राशिफल

मेष - प्रेम में थोड़ी दूरी बनी रहेगी, लेकिन किसी तरीके की दूरी संभव है। तो थोड़ा सा डिस्टर्बिंग टाइम कहा जाएगा। मध्य में आमदनी का जरिया बढ़ेगा। मित्रों से और अपने लोगों से मुलाकात होगी । व्यवसायिक स्थिति आपकी सुदृढ़ होगी । काली वस्तु का दान करना शुभ होगा।

वृषभ - आय की स्थिति अच्छी बनी हुई है। उच्चाधिकारियों का आशीर्वाद मिल रहा है। नए व्यापार की शुरुआत करना अभी आपके लिए अच्छा नहीं होगा। पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता होगी घबराहट-बेचैनी बनी रहेगी। शनि देव को प्रणाम करना आपके लिए शुभ होगा।

मिथुन - स्वास्थ्य के मामले में थोड़ा सा ध्यान देने की आवश्यकता है। प्रेम की स्थिति काफी बेहतर है। व्यापारिक दृष्टिकोण से भी शुभ समय है। यात्रा का योग बनेगा, शुभ समाचार की प्राप्ति होगी । जो चाहेंगे वो होगा । काली वस्तु का दान करना आपके लिए शुभ होगा।

कर्क - प्रेम और संतान की स्थिति अभी ठीक नहीं लग रही है । प्रोफेशनल लाइफ और स्वास्थ्य ठीक रहेगा। भाग्य आपका साथ देगा, रोज़गार में तरक्की होगी और यात्रा के योग बनेंगे। आय के नए स्रोत बनेंगे। लाल वस्तु पास रखें और बजरंगबली को प्रणाम करें।

सिंह - दांपत्य जीवन और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। प्रेम की स्थिति अच्छी रहेगी और व्यापार भी अच्छा चलेगा। भाग्य का साथ मिलेगा और रोज़गार में उन्नति होगी। बजरंगबली को प्रणाम करें, यह आपके लिए शुभ होगा।

कन्या - अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें। दांपत्य जीवन में किसी भी तरह के बदलाव से बचें । नौकरी-चाकरी की स्थिति काफी अच्छी है। भाग्य साथ देगा और परिस्थितियों में सुधार होगा। व्यावसायिक सफलता के प्रबल योग हैं । भगवान विष्णु को प्रणाम करना आपके लिए कल्याणकारी रहेगा।

तुला - मानसिक दबाव बहुत बना रहेगा। क्रोध की अधिकता रहेगी । प्रेम की स्थिति में नकारात्मक विचार आ सकते हैं । आप विरोधियों को आगे नहीं बढ़ने देंगे। नौकरी-चाकरी में स्थिति ठीक-ठाक रहेगी । जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा । पीली वस्तु का दान करना आपके लिए शुभ होगा।

वृश्चिक - घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार हो रहा है और स्वास्थ्य भी प्रभावित है। प्रेम और संतान की स्थिति काफी अच्छी है और व्यापार भी अच्छा चल रहा है। आपको गूढ़ ज्ञान की प्राप्ति होगी और बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। हरी वस्तु का दान करना आपके लिए शुभ रहेगा।

धनु - स्वास्थ्य ठीक-ठाक रहेगा। प्रेम और संतान की स्थिति मध्यम रहेगी, लेकिन व्यापार की स्थिति अच्छी है। नाक, कान और गले की परेशानी हो सकती है । माता के स्वास्थ्य पर भी ध्यान देने की जरूरत है। विद्यार्थियों के लिए यह पढ़ने-लिखने का अच्छा समय है। लाल वस्तु अपने पास रखना आपके लिए शुभ होगा।

मकर - धन हानि के संकेत हैं, इसलिए निवेश करने से बचें। अपनी भाषा की मर्यादा बनाए रखें । आपका पराक्रम रंग लाएगा । भूमि, भवन या वाहन की खरीदारी के योग हैं। काली जी को प्रणाम करना आपके लिए शुभ रहेगा।

कुंभ - जीवन में किसी भी तरह का शॉर्टकट न अपनाएं। अपनी भावुकता और क्रोध पर नियंत्रण रखें। प्रेम और संतान की स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। व्यापार

सुचारू रूप से चलेगा। मध्य में भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। पीली वस्तु का दान करना आपके लिए शुभ होगा।

मीन - अपने स्वास्थ्य और दांपत्य जीवन पर विशेष ध्यान दें। विवाह में कुछ देरी के संकेत मिल रहे हैं। निवेश से बचना ही बेहतर रहेगा। भौतिक सुख-सुविधाओं में इजाफा होगा। घर में किसी उत्सव या शुभ संस्कार के आयोजन की संभावना है। भूमि, भवन या वाहन की जो खरीदारी रुकी हुई थी, उसके नए संकेत मिलेंगे। पीली वस्तु अपने पास रखना आपके लिए मंगलकारी होगा।

कहानी (शेर की खाल में सियार)

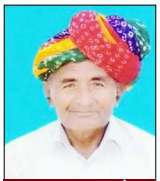

प्रभाती लाल सैनी

एक दिन सियार जंगल में घूम रहा था तभी उसे किसी जानवर की खाल दिखलाई दी वह पास गया तो देखा यह तो शेर की खाल है, पहले तो सियार शेर की खाल देख कर डर गया । सियार को आदतन एक शरारत सूझी । उसने शेर की खाल उठाई और उसे ओढ़ लिया । शेर की खाल ओढ़ कर वह बहुत खुश था और अपने आप को ही शेर समझने लगा । उसने सोचा चलो आज जंगल में दूसरे जानवरों को डराया जाए । वह उस स्थान पर गया जहां जंगल के सभी जानवर बैठे हुए थे । अपने नजदीक शेर की खाल में सियार को देखकर वह उसे सचमुच शेर समझ बैठे और वहां से भागने लगे। यह देखकर सियार नाचने लगा और सियार ने कुछ दूर तक उनका पीछा किया । यह सब करने में सियार को बहुत मजा आ रहा था । वह सोच रहा था अब तो मेरे मौज हो गए मैं रोज इसी तरह जानवरों को डराऊंगा और वह मुझे सच में शेर समझकर मुझे डरेंगे और मेरा सम्मान करेंगे।

थोड़ी देर में जंगल में यह बात फैल गई की शेर तो पागल हो गया है या उसे पर किसी भूत प्रेत का साया पड़ गया है जो वह उटपटांग हरकतें कर रहा है वह नाचता है और जानवरों को अनावश्यक परेशान कर रहा है ।

सियार रोज इसी तरह की हरकतें करता और जंगल के जानवरों का मजा लेता। एक दिन सियार लोमड़ी को डराने के लिए उसके पीछे पड़ गया । लोमड़ी डरकर भाग रही थी और सियार उसके पीछे था यह सब करके वह बहुत खुश था और अपनी खुशी व्यक्त करने के लिए आदतन जोर-जोर से हुआ-हुआ की आवाज निकालने लगा । सियार की हुआ-हुआ की आवाज सुनकर लोमड़ी वहीं रुक गई और सियार के पास जाकर बोली - अच्छा तो यह तुम हो शियार जो शेर की खाल ओढ़ कर जंगल के सारे जानवरों को डरा रहे हो। रुको अब मैं जंगल के सारे जानवरों का बतलाऊँगी और वे सब तुम्हे सबक सिखायेंगे । तुमने सभी को बहुत परेशान किया है ।

अपनी पोल पट्टी खुलती हुई देख सियार बहुत डर गया और वहां से डर कर भागने लगा । सियार को भागता हुआ देख लोमड़ी ने जोर-जोर से शोर मचा कर जंगल के सभी जानवरों को बतला दिया कि यह दरअसल शेर नहीं बल्कि सियार है जो शेर की खाल ओढ़ कर जंगल के जानवरों को डरा रहा है ।

जंगल के जानवरों ने सियार को घेर लिया और उसे इतना मारा की उसकी हड्डियाँ भी दर्द देने लगीं । मार खाकर सियार को अपनी गलती का एहसास हुआ और उसने जंगल के सारे जानवरों से माफी मांग कर उनको विश्वास दिलाया कि वह भविष्य में दोबारा इस तरह की हरकत नहीं करेगा।

15 से 29 साल की उम्र है तो वीबी-जी राम जी का लोगो डिजाइन करो और जीतो 50 हजार

जयपुर(नि.सं.)। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा विकसित भारत-जी राम जी यूथ डिजिटल कैपेन के अंतर्गत संचालित प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए युवाओं को अब अतिरिक्त समय प्रदान किया गया है। व्यापक सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 60 सेकंड्स फॉर माय विलेज राष्ट्रीय वीडियो/रील चैलेंज एवं वीबी-जी राम जी एक्ट क्विज प्रतियोगिता की अंतिम तिथि को 15 दिवस के लिए बढ़ा दिया गया है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वीडियो चैलेंज की अंतिम तिथि 21 मार्च तथा क्विज प्रतियोगिता की अंतिम तिथि 23 मार्च थी, जिन्हें अब आगे बढ़ा दिया गया है, जिससे अधिक से अधिक युवा इस अभियान से जुड़ सकें।

राजा रामदेव पोद्दार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का हुआ समापन

जयपुर (संस्कार सृजन)। राजा रामदेव पोद्दार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम), गांधीनगर, जयपुर में 14 मार्च 2026 से आयोजित। दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) शिविर का 20 मार्च 2026 को भव्य समापन समारोह के साथ सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह शिविर कार्यक्रम अधिकारी योगमाया के कुशल निर्देशन में आयोजित किया गया, जिसमें स्वयंसेवकों ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ भाग लिया।

समापन समारोह के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिनमें देशभक्ति गीत, नृत्य एवं नाटक के माध्यम से सामाजिक संदेश दिए गए। शिविर के दौरान प्राप्त अनुभवों को स्वयंसेवकों ने साझा किया और अपने सीखने की प्रक्रिया को व्यक्त किया। इस शिविर में विद्यार्थियों ने स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, जल संरक्षण, नशा मुक्ति जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण तथा सामाजिक जागरूकता रैली

जैसे विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाई। इन गतिविधियों के माध्यम से उनमें सेवा भावना, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी का विकास हुआ।

विद्यालय के प्रधानाचार्य लक्ष्मी नारायण झा एवं उप-प्रधानाचार्य डॉ. अमिता कुलहरी ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें भविष्य में भी समाज सेवा के कार्यों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

समापन अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवकों को सम्मानित भी किया गया। इस प्रकार यह शिविर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

शिक्षक अशोक पाल सिंह के नेतृत्व में मनाया विक्रमोत्सव

बिझौली (संस्कार सृजन)। राजकीय उ.मा.वि. बिझौली में विक्रम संवत कार्यक्रम का आयोजन करते हुए शिक्षक अशोक पाल सिंह ने कहा विक्रम संवत हिन्दू नव वर्ष जो चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा 19 मार्च 2026 को मनाया जा रहा है इसे 57 ईसा पूर्व (57 बीसी) में उज्जैन के राजा विक्रमा दिव्य द्वारा शंक शासकों पर विजय पाने की स्मृति में शुरू किया गया था । यह कैलेंडर से 57 वर्ष आगे चलता है जो गौरव का प्रतीक एवं सांस्कृतिक नव वर्ष भारतीय प्राचीन वैज्ञानिक पंचाग माना जाता है । श्रद्धा और ग्रहों की स्थिति के अनुसार माना जाता है। विक्रमोत्सव 2026 का आयोजन 139 दिनों तक चलने वाला प्रसिद्ध सांस्कृतिक कार्यक्रम मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर जीतिन शर्मा, राखी, सोमवती, रहिशा सोनाम, शबनम आफरिन, कहकशा, अकशा, असद, कृष्णा, रितिक, रोहन, अशोक पाल सिंह, गोपी, अन्जना इल्मा, तनवी, आरती, खुशी, खुशबू, शदिक, अलतमश सहित कई लोग उपस्थित रहे ।

मीणा समाज ने हर्षोल्लास से मनायी मत्स्य जयंती

जयपुर (संस्कार सृजन)। चौमूँ मीणा समाज द्वारा मीणा समाज भवन , चौमूँ में मत्स्य जयंती धूमधाम से मनायी गयी । मीना समाज भवन चौमूँ में अध्यक्ष रामचन्द्र मीणा की अध्यक्षता में समाज बंधुओं द्वारा मीन भगवान की पूजा , आरती कर प्रसादी वितरण की गयी । मीडिया प्रभारी शेष मानुतवाल ने बताया की कार्यक्रम में वरिष्ठ उपाध्यक्ष भोलू राम मीणा ,संरक्षक रामेश्वर जेफ,प्रभु खोड़ा,संगठन मंत्री सतपाल गुवारडी, कमलेश मीणा, उपाध्यक्ष मालीराम मीना,कोषाध्यक्ष मुकेश बागड़ी,समाज सेवी सीताराम मीणा,जिला शिक्षा अधिकारी रामसिंह मीणा, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जगदीश प्रसाद मीणा,समाज सेवी तोफान मीणा, रामचंद्र मीना,रामावतार मीणा,राजेंद्र मीणा,मलखान मीणा, मुकेश हाटवाल एवं कार्यकारिणी के पदाधिकारियों द्वारा विष्णु के प्रथम अवतार भगवान मत्स्य की पूजा अर्चना कर सभी समाजों में सामाजिक सौहार्द,सुख व समृद्धि की कामना की गयी।

श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा महोत्सव के पोस्टर का हुआ विमोचन

जयपुर (संस्कार सृजन)। श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान गंगा महोत्सव के पोस्टर का विधिवत विमोचन राजस्थान पेंशनर मंच के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। यह आयोजन विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में 2 अप्रैल से 8 अप्रैल तक आयोजित होगा। यह महोत्सव राजविलास गार्डन में आयोजित किया जाएगा। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में राजस्थान पेंशनर मंच के अध्यक्ष राधेश्याम यादव सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान कार्यक्रम में प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी ने बताया कि यह महोत्सव क्षेत्र में आध्यात्मिक जागरूकता और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने का कार्य करेगा। उन्होंने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से कथा में भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बनवारी लाल शर्मा, चंद्रप्रकाश शर्मा, नरेंद्र सिंह सोलंकी, डॉ. सीताराम कुमावत, राजेश महेश्वरी, रामपाल कुमावत, विनोद शर्मा, कैलाश चंद, रामविलास शर्मा, मोहनलाल सैनी, राजेंद्र प्रसाद काला, रघुनाथ कुमावत, ईश्वर माली, सत्यनारायण पारीक, पवन यादव सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया म्हारो प्यारो राजस्थान गीत के पोस्टर का विमोचन

जयपुर (संस्कार सृजन)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने सिविल लाइंस स्थित निवास पर राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में निर्मित विशेष गीत 'म्हारो प्यारो राजस्थान' के पोस्टर का विमोचन किया। यह गीत प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, महान परंपराओं और गौरवशाली पहचान को समर्पित है । यह गीत जनहितों के प्रति पूर्णतः समर्पित एवं विकसित राजस्थानके संकल्प को धरातल पर उतारने में जुटे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अभिनव पहल पर, इस बार प्रदेश के स्थापना दिवस को भारतीय परंपरा की तिथि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के अनुसार मनाए जाने की भावना को लिए हुए है। इस अवसर पर गीत के निर्माता एवं कॉन्सेप्ट क्रिएटर महावीर कुमार सोनी तथा क्रिएटिव डायरेक्टर मिताली सोनी उपस्थित रहे।

विमोचन के दौरान मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को सोनी ने देश व जनहित के प्रयासों के रूप में अपने द्वारा पूर्व में निर्मित शार्ट फिल्म्स, देशभक्ति गीत गर्व मेरा भारत और राजस्थान के पर्यटन व गौरव को दर्शाते गीत घूमो राजस्थान जैसे प्रोजेक्ट्स की जानकारी से भी अवगत कराया गया।

मुख्यमंत्री ने इस सांस्कृतिक पहल की सराहना करते हुए इन प्रयासों को प्रदेश की पहचान सशक्त करने की दिशा में एक सराहनीय कदम बताया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

गायत्री प्रज्ञा पीठ संस्थान में गायत्री महायज्ञ का हुआ आयोजन

जयपुर (संस्कार सृजन)। शहर के राधाबाग में स्थित गायत्री प्रज्ञा पीठ संस्थान पर चैत्र नवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में सामूहिक गायत्री जप और गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। जिसमें सभी साधकगणों और धर्मप्रेमियों ने इस पुण्यकार्य में भाग लेकर लघु अनुष्ठान का संकल्प लिया । जिसमें 24 हजार गायत्री मंत्रो का जप किया जाता। लोकमंगल और विश्वकल्याण हेतु सभी ने गायत्री मंत्र और महामृत्युजंय मंत्रो की आहुतियां दी। कार्यक्रम के दौरान गजेंद्र सिंह बीजावत, साँवरमल अग्रवाल, जगदीश प्रसाद शर्मा, दिनेश खेमावाला, रामबाबू सैन, नरेश जिंदल, अमित अग्रवाल, रमाकांत मोदी, सालिगराम अग्रवाल, ओमप्रकाश अदवई, पवन कुमार माहेश्वरी, मदनलाल विजय, मनोहर गुप्ता, नितेश कानूनगो, श्रीराम बटवाल, मुरारीलाल अग्रवाल, सौरभ पारीक एवं परिव्राजक दयाराम राजपाल एवं कार्यकर्ता रमेश राजपाल सहित आदि परिजन उपस्थित रहे।

कृषि विश्वविद्यालय का सप्तम दीक्षांत समारोह आयोजित

दीक्षांत नव जीवन की शुरुआत, ज्ञान का प्रकाश समाज तक पहुँचाना युवाओं का दायित्वःराज्यपाल

जयपुर (नि.सं.)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने कहा कि दीक्षांत केवल उपाधि प्रदान करने का अवसर नहीं, बल्कि यह विद्यार्थियों के नव जीवन में प्रवेश का महत्वपूर्ण क्षण है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में दीक्षांत 'समावर्तन संस्कार' के रूप में जाना जाता था, जिसमें विद्यार्थी को समाज के लिए समर्पित जीवन जीने का संदेश दिया जाता था। राज्यपाल बागडे शुक्रवार को कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के सप्तम दीक्षांत समारोह में सम्बोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय में अर्जित ज्ञान का प्रकाश समाज के प्रत्येक कोने तक पहुंचाना विद्यार्थियों का दायित्व है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी शिक्षा का उपयोग राष्ट्र और समाज के विकास के लिए करें तथा जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर सतत प्रयास करते रहें। उन्होंने शिक्षा को जीवन का आलोक पथ बताते हुए कहा कि यही वह माध्यम है जिससे व्यक्ति स्वयं के साथ-साथ समाज और विश्व को भी प्रकाशित करने की क्षमता प्राप्त करता है। राज्यपाल ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और देश की बड़ी आबादी इससे जुड़ी हुई है। उन्होंने विश्वविद्यालय से अपेक्षा की कि वह कृषि एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार आधारित शोध को बढ़ावा दे, जिससे स्थानीय जलवायु के अनुरूप उन्नत खेती को प्रोत्साहन मिल सके। उन्होंने कहा कि आज कृषि में नई चुनौतियों के समाधान के लिए आधुनिक तकनीकों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन एवं रोबोटिक्स का उपयोग अत्यंत आवश्यक है। एआई के विवेकपूर्ण उपयोग पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि इसका उपयोग कृषि उन्नयन और अनुसंधान में किया जाना चाहिए, जिससे किसानों की उत्पादकता और आय में वृद्धि हो सके। उन्होंने 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान और जय अनुसंधान' के मंत्र को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि कृषि विकास के लिए शोध एवं नवाचार को प्राथमिकता देना आवश्यक है।

भीलवाड़ा का औद्योगिक कायाकल्प

15 लाख से 50 लाख स्प्रिंडल क्षमता की ओर बढ़ता टेक्सटाइल हबःमुख्य सचिव

भीलवाड़ा (वि.सं.)। राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास भीलवाड़ा जिले के एक दिवसीय दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने भीलवाड़ा के वस्त्र उद्योग की अभूतपूर्व प्रगति की सराहना करते हुए इसे ग्लोबल पहचान दिलाने का रोडमैप साझा किया। मुख्य सचिव ने विश्वास जताया कि भीलवाड़ा की स्प्रिंडल क्षमता, जो कभी मात्र 60 हजार थी, अब 15 लाख से बढ़कर जल्द ही 50 लाख तक पहुँच जाएगी। कस्तूरी कॉटन से दुनिया में मचेगी धाक मुख्य सचिव ने कॉटन कस्तूरी विषय पर उद्यमियों और निवेशकों के साथ संवाद किया। उन्होंने कहा ग्लोबल कॉन्फ्रेंस का सुझाव- भीलवाड़ा में 30 हजार हेक्टेयर में कपास उत्पादन को देखते हुए उन्होंने भविष्य में एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की कॉन्फ्रेंस आयोजित करने का सुझाव दिया।

ब्रैंडिंग- कस्तूरी कॉटन के माध्यम से भीलवाड़ा के उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रीमियम पहचान दिलाई जाएगी।

रूपाहेली टेक्सटाइल पार्क- औद्योगिक विकास का नया इंजनमुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप राज्य सरकार उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्य सचिव ने बताया कि नया पार्क : रूपाहेली टेक्सटाइल पार्क के विकास से औद्योगिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

टेक्सटाइल पॉलिसी : हाल ही में लागू की गई नई टेक्सटाइल पॉलिसी उद्यमियों के लिए गेम-चेंजर साबित होगी। नितिन स्पिनर्स का निरीक्षण और आधुनिक तकनीक की सराहना मुख्य सचिव ने नितिन स्पिनर्स लिमिटेड का दौरा कर कच्चा माल तैयार करने से लेकर फाइनल उत्पाद तक की पूरी चेन का अवलोकन किया। उन्होंने अत्याधुनिक मशीनरी और स्वचालित प्रक्रियाओं (Automation) की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे नवाचार मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत% को मजबूती देते हैं।

फील्ड अधिकारियों द्वारा रणनीति के अनुसार वसूली पर फोकसः टी. रविकान्त

11 फीसदी विकास दर के साथ गत वर्ष की आलोच्य अवधि से एक हजार करोड़ अधिक राजस्व संग्रहित

जयपुर(नि.सं.)। राज्य का खान विभाग चालू वितीय वर्ष में दस हजार करोड़ से अधिक के राजस्व संग्रहण के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहा है। प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने फील्ड अधिकारियों से माह के अंतिम पखवाड़े में राजस्व संग्रहण के सभी संभावित क्षेत्रों से वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। विभाग द्वारा गत वित्तीय वर्ष के करीब 9200 करोड़ के आंकड़े को पार कर लिया है और 11 प्रतिशत विकास दर के साथ 9426 करोड़ रुपए का राजस्व संग्रहित कर लिया है। यह गत वर्ष की इसी अवधि की तुलना में करीब एक हजार करोड़ रु. अधिक है। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा राजस्व वसूली की रणनीति तैयार कर फील्ड अधिकारियों को भेजी जा चुकी है। प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त उदयपुर के खनिज भवन में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। उन्होंने कहा कि इस समय राज्य सरकार का राजस्व वसूल में नया कीर्तिमान स्थापित करने पर फोकस है। विभागीय रणनीति के अनुसार प्रधान और अप्रधान खनिजों के ऑक्शन ब्लाकों के अपफ्रंट पेमेंट राशि की वसूली, ऑक्शन अप्रधान खनिज ब्लाकों की प्रीमियम राशि, एक मुश्त समझौता योजना, अवैध खनन गतिविधियों की जुर्माना राशि और अन्य नई पुरानी बकाया राशि की वसूली के सख्त निर्देश दिए गए हैं। बैठक के दौरान उन्होंने तुलाई कांटों के ऑटोमाइजेशन और व्हीकल ट्रेकिंग सिस्टम की प्रगति की भी समीक्षा की और विभागीय मॉड्यूल्स के उपयोग के निर्देश दिए।निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा ने बताया कि विभाग द्वारा रेवेन्य के संभावित क्षेत्रों में अधिक से अधिक वसूली पर फोकस किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जल्द ही दस हजार करोड़ के आंकड़े को प्राप्त कर लिया जाएगा। अतिरिक्त निदेशक मुख्यालय महेश माथुर ने बताया कि राजस्व् संग्रहण की मुख्यालय स्तर पर नियमित मोनेटरिंग करने के साथ ही फील्ड अधिकारियों से मसन्वय बनाते हुए वसूली के समन्वित प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस साल माइनिंग सेक्टर में राजस्व संग्रहण का नया रेकार्ड स्थापित किया जाएगा। बैठक में वित अधिकारी सुरेश चन्द्र,अतिरिक्त निदेशक महेश माथुर, अतिरिक्त निदेशक आईटी शीतल अग्रवाल, अधीक्षण खनि अभियंता एसपी शर्मा, खनिज अभियंता आसिफ अंसारी सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित।
उपसंपादक- रजनीश सैनी